

प्रमाणित किया जाये कि प्राची का प्राचीन
 पत्र उद्घोषण (धारा 88) से सम्बन्धित
 है। प्राची द्वारा जो रिलिफ मांगी गयी
 है वह धारा 136 इन्डियन सुसुटी से
 सम्बन्धित न होकर उद्घोषणा
 धारा 88 से सम्बन्धित है। श्री राजेश
 अचिनियम 1956 में प्राक्धान है कि
 नाम बुद्धिकुरंग, नम्बरा सीट में जल
 तुरमीम से होना है जबकि प्राची द्वारा
 जो रिलिफ धारा 136 में वाह्य गया
 है वह न्यायसंगत नहीं है। हमने
 पगावती का अवलोकन किया बाद अवलोकन
 यह योजित प्रतीत होता कि प्राची
 का प्राचीन पत्र रक्का योग्य नहीं है
 प्राची द्वारा प्रस्तुत प्राचीन पत्र में आराजी
 खसरा नम्बर 831/1113 रकबा 5 बीघा
 6 बिस्वा ग्राम कुम्हारिया तहसील
 चौथ का वरकड़ा में स्थित है। उक्त
 आराजीवत का प्राचीन में अप्राचीन
 मानना पुत्र गंगा विधान जो श्री गुरु
 मिवाली कुम्हारिया से जरीये वसि
 विनयपत्र दिनांक 22.06.98 को खरीद
 किया गया। जिसका नामान्तरण केरवा
 8 दिनांक 07.09.98 को सम्बन्ध
 समाधान नसिमान में खती दिया गया
 व पुमावन्दी 2044-47 से प्राची का
 ठेका खेतदार का इन्डियन हो गया
 व प्राची को दिनांक 07.09.98 को
 के प्राचीन मानना वरि कब्जा दे दिया
 गया। नये अनुक्रम में प्राची का
 नाम पुमावन्दी में इन्डियन नहीं हुआ है